



The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Friday, July 24, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- भारतीय नौसेना ने तटीय पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता को मजबूत करने के लिए आईएनएस मालवण को नौसेना में शामिल किया
- अमेरिकी सदन ने सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण के लिए रिकॉर्ड 1.15 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा विधेयक पारित किया
- भारत और म्यांमार ने चीन पर निर्भरता कम करने के लिए रेयर अर्थ पार्टनरशिप को मजबूत किया
- दिल्ली में शांतिपूर्ण तरीके से सभा के संवैधानिक अधिकार पर बहस छिड़ी
- अमेरिका और सऊदी अरब ने शांतिपूर्ण ऊर्जा विकास के लिए असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए
- केंद्र ने अनुराग जैन को दो साल के कार्यकाल के लिए नीति आयोग के सीईओ के रूप में नियुक्त किया
- सीएसआईआर-आईआईसीटी और इसरो के वीएसएससी ने स्वदेशी पर्यावरण के अनुकूल ब्लोइंग एजेंट प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- पाणिनियन इंडिया ने भारत के पहले निजी तौर पर विकसित यंतूर 4.5 kN टर्बोफैन इंजन कार्यक्रम का अनावरण किया
- भारतीय ग्रैंडमास्टर रोहित कृष्णा ने फ्रांस में मेन्यूयर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप 2026 जीती
- समुदाय के नेतृत्व वाले जलवायु अनुकूलन के माध्यम से कल्लई तमिलनाडु का पहला जलवायु-लचीला गांव बना

भारतीय नौसेना ने तटीय पनडुब्बी रोधी क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आईएनएस मालवण को नौसेना में शामिल किया



यह खबरों में क्यों है?

- भारतीय नौसेना ने कर्नाटक के कारवार नौसेना बेस में आईएनएस मालवन, दूसरे माहे-क्लास एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) को कमीशन किया है। यह युद्धपोत उथले तटीय जल में काम कर रही दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने की भारत की क्षमता को मजबूत करेगा।

पृष्ठभूमि और महत्व

- भारत की 7,500 किलोमीटर से अधिक की तटरेखा और बढ़ते समुद्री हितों के लिए एक मजबूत तटीय रक्षा नेटवर्क की आवश्यकता है।
- हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में पनडुब्बियों की बढ़ती उपस्थिति ने विशेष पनडुब्बी रोधी प्लेटफार्मों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।
- माहे-श्रेणी की एसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी परियोजना को पुराने अभय-श्रेणी के कोरवेट को आधुनिक, स्वदेशी रूप से निर्मित उथले पानी वाले पनडुब्बी रोधी जहाजों के साथ बदलने के लिए शुरू किया गया था।
- आईएनएस मालवण को शामिल करने से आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देते हुए भारत की तटीय निगरानी, बंदरगाह सुरक्षा और पानी के नीचे युद्ध क्षमताओं को मजबूती मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- जहाज: आईएनएस मालवन
- वर्ग: माहे-क्लास एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (ASW-SWC)
- कमीशन किया गया: कारवार नौसेना बेस, कर्नाटक
- निर्मित: कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि

स्वदेशी सामग्री: 80% से अधिक

- प्राथमिक भूमिका: उथले तटीय जल में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, ट्रैक करना और नष्ट करना।

- अन्य भूमिकाएँ: तटीय निगरानी, खोज और बचाव (एसएआर), कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन और रणनीतिक बंदरगाहों और नौसैनिक ठिकानों की सुरक्षा।

माहे-क्लास ASW शैलो वाटर क्राफ्ट के बारे में

- विशेष रूप से उथले पानी में पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए डिज़ाइन किया गया।
- उन्नत सोनार, हल्के टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट और आधुनिक निगरानी प्रणालियों से लैस।
- खदान बिछाने के संचालन और समन्वित तटीय सुरक्षा मिशनों को भी कर सकते हैं।
- भारतीय नौसेना के लिए कुल आठ जहाजों का निर्माण किया जा रहा है।

आगे की राह

- भारत के तटीय रक्षा नेटवर्क को मजबूत करने के लिए माहे श्रेणी के शेष जहाजों को चालू करना।
- समुद्री क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के लिए इन जहाजों को समुद्री गश्ती विमान, हेलीकॉप्टर, पानी के नीचे सेंसर और तटीय रडार श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत करें।
- आयात पर निर्भरता कम करने और नौसैनिक क्षमताओं में आत्मनिर्भरता में सुधार के लिए स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना जारी रखें।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- आईएनएस मालवन माहे-श्रेणी का दूसरा एसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) है।
- निर्मित: कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्चि।
- कमीशन किया गया: कारवार, कर्नाटक।
- प्राथमिक भूमिका: उथले तटीय जल में पनडुब्बी रोधी युद्ध।
- प्रतिस्थापन: अभय-श्रेणी के कोरवेट।
- स्वदेशी सामग्री: 80% से अधिक।
- संबंधित पहल: आत्मनिर्भर भारत।
- सामरिक महत्व: हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में तटीय सुरक्षा और भारत की पनडुब्बी रोधी क्षमता को बढ़ाता है।

अमेरिकी सदन ने वित्त वर्ष 2026 के लिए रिकॉर्ड 1.15 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा विधेयक पारित किया



यह खबरों में क्यों है?

- अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) 2026 पारित किया है, जिसमें रक्षा खर्च के लिए रिकॉर्ड 1.15 ट्रिलियन डॉलर को अधिकृत किया गया है। विधेयक का उद्देश्य अमेरिकी सेना को मजबूत करना, रक्षा क्षमताओं का आधुनिकीकरण करना और उभरती वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करना है।

पृष्ठभूमि और महत्व

- राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) एक वार्षिक कानून है जो अमेरिकी रक्षा विभाग के लिए वित्त पोषण को अधिकृत करता है और नीतियां निर्धारित करता है।
- यह सीधे धन आवंटित नहीं करता है, लेकिन रक्षा कार्यक्रमों, सैन्य अभियानों, खरीद और कार्मिक नीतियों के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
- वित्त वर्ष 2026 एनडीएए बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखने पर अमेरिका के ध्यान को दर्शाता है, खासकर हिंद-प्रशांत, यूरोप और मध्य पूर्व में।

मुख्य बिंदु

विधेयक: राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए), वित्त वर्ष 2026।
द्वारा पारित: अमेरिकी प्रतिनिधि सभा।
अधिकृत रक्षा खर्च: \$1.15 ट्रिलियन (रिकॉर्ड-उच्च)।
उद्देश्य: राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना और अमेरिकी सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करना।

प्रमुख फोकस क्षेत्र:

- सैन्य उपकरणों और हथियारों का आधुनिकीकरण।

भारत और म्यांमार ने चीन पर निर्भरता कम करने के लिए रेयर अर्थ साझेदारी को गहरा किया

यह खबरों में क्यों है?

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष क्षमताओं जैसी उन्नत तकनीकों में निवेश।
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना।
- सैन्य तत्परता और सेवा कर्मियों के कल्याण में सुधार।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- यह अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा रक्षा प्राधिकरण है।
- चीन और रूस के साथ प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते जोर को दर्शाता है।
- अगली पीढ़ी की सैन्य प्रौद्योगिकियों में निवेश बढ़ाता है।
- वैश्विक सैन्य उपस्थिति और रणनीतिक गठबंधन बनाए रखने के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- एनडीएए: राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम। - देश: संयुक्त राज्य अमेरिका।
- द्वारा पारित: अमेरिकी प्रतिनिधि सभा। - अधिकृत राशि: \$ 1.15 ट्रिलियन। - प्रकृति: रक्षा खर्च और नीतियों को अधिकृत करता है; सीधे धन का उचित उपयोग नहीं करता है। - मुख्य फोकस: एआई, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, सैन्य आधुनिकीकरण, इंडो-पैसिफिक रणनीति। - सामरिक संदर्भ: चीन और रूस का मुकाबला करना; वैश्विक सैन्य तत्परता बढ़ाना।

SIPRI सैन्य व्यय रिपोर्ट 2026 में शीर्ष 5 देश (2025 के लिए डेटा)

श्रेणी	भूक्षेत्र	सैन्य खर्च (यूएस \$ बिलियन)	वैश्विक खर्च का हिस्सा	सकल घरेलू उत्पाद का %
एक.	संयुक्त राज्य अमेरिका	954.0	33.0%	3.1%
दो.	चीन	336.0	12.0%	1.7%
तीन.	रूस	190.0	6.6%	7.5%
चार.	जर्मनी	114.0	3.9%	2.3%
पाँच.	भारत	92.1	3.2%	2.3%

- भारत और म्यांमार रणनीतिक संसाधनों की स्थिर आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग को मजबूत

कर रहे हैं। यह कदम तब आया है जब चीन वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी आपूर्ति श्रृंखला पर हावी हो रहा है, जिससे आपूर्ति में व्यवधान पर चिंताएं बढ़ रही हैं।

साझेदारी का उद्देश्य है:

- भारत के लिए दुर्लभ पृथ्वी की विश्वसनीय आपूर्ति सुरक्षित करें।
- चीन पर निर्भरता कम करें।
- टिकाऊ खनन और निवेश को बढ़ावा देना।
- द्विपक्षीय आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना।
- म्यांमार निवेश, प्रौद्योगिकी और जिम्मेदार खनन प्रथाओं के माध्यम से लाभ उठा सकता है।



पृष्ठभूमि और महत्व

- दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई) इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), पवन टरबाइन, अर्धचालक, स्मार्टफोन, रक्षा उपकरण और मिसाइलों के निर्माण के लिए आवश्यक हैं।
- चीन दुनिया की अधिकांश दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण क्षमता को नियंत्रित करता है, जिससे कई देश इस पर निर्भर हो जाते हैं।
- म्यांमार का काचिन राज्य भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के दुनिया के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, जिनमें से कई वर्तमान में प्रसंस्करण के लिए चीन को निर्यात किए जाते हैं।
- भारत महत्वपूर्ण खनिज सुरक्षा को मजबूत करने और मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करने के लिए अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता ला रहा है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- भारत की महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करता है।
- चीनी निर्यात प्रतिबंधों के प्रति भेद्यता को कम करता है।
- भारत के ईवी, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों का समर्थन करता है।
- दक्षिण पूर्व एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को बढ़ाता है।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स (REEs) के बारे में

- उच्च तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले 17 धातु तत्वों का एक समूह।

में वर्गीकृत:

- | |
|---|
| • प्रकाश दुर्लभ पृथ्वी तत्व (LREEs) |
| • भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्व (एचआरईई) - अधिक दुर्लभ और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण। |
| • प्रमुख अनुप्रयोग: इलेक्ट्रिक वाहन, पवन टरबाइन, स्मार्टफोन, रक्षा उपकरण, एयरोस्पेस और उपग्रह और स्थायी चुंबक |

भारत-म्यांमार संबंध एक नजर में

दृष्टिकोण विवरण

- राजनयिक संबंध 1948 में म्यांमार की स्वतंत्रता के बाद स्थापित।
- प्रतिवेश म्यांमार दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भारत का एकमात्र भूमि पुल है और अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम के साथ 1,643 किलोमीटर की सीमा साझा करता है।
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी म्यांमार भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और आसियान के साथ कनेक्टिविटी का प्रवेश द्वार है।
- पड़ोसी पहले नीति म्यांमार भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति के तहत एक प्रमुख भागीदार है।
- सामरिक महत्व सीमा सुरक्षा, उग्रवाद विरोधी अभियानों, समुद्री सुरक्षा और हिंद-प्रशांत रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है।
- वस्तु-विनिमय करना द्विपक्षीय व्यापार सालाना 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है (वर्ष के अनुसार बदलता रहता है)। भारत दालों, बीन्स, लकड़ी और खनिजों का आयात करता है; फार्मास्यूटिकल्स, स्टील, मशीनरी और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है।
- कनेक्टिविटी परियोजनाएं कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट, भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और सीमा बुनियादी ढांचे का विकास।
- रक्षा और सुरक्षा संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया जानकारी साझा करना, समन्वित सीमा गश्त और विद्रोही समूहों के खिलाफ अभियान।
- ऊर्जा और खनिज तेल और गैस, दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग।
- विकास सहायता भारत क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आईटी, कृषि और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करता है।
- क्षेत्रीय समूह दोनों बिस्मटेक और मेकांग-गंगा सहयोग (एमजीसी) के सदस्य हैं। म्यांमार भी आसियान का सदस्य है।
- लोगों से लोगों के बीच संबंध मजबूत सांस्कृतिक और बौद्ध संबंध; भारत छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण कार्यक्रम और मानवीय सहायता प्रदान करता है।
- सीमा व्यापार बिंदुमोरेह (मणिपुर) – तामू (म्यांमार) और जोखावथार (मिजोरम) – रिह (म्यांमार)।

आगे की राह

- खनिज समृद्ध देशों के साथ साझेदारी के माध्यम से आयात में विविधता लाना।
- राष्ट्रिय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत घरेलू खनन और शोधन क्षमता का विकास करना।
- दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों में निवेश करें।
- लचीली महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखलाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना।

- संसाधन: दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई) और महत्वपूर्ण खनिज।
- म्यांमार का प्रमुख खनन क्षेत्र: काचिन राज्य।
- मुख्य चिंता: दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण में चीन का प्रभुत्व।
- प्रमुख उपयोग: ईवी, अर्धचालक, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा।
- संबंधित पहल: राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन।
- रणनीतिक उद्देश्य: आपूर्ति शृंखलाओं को सुरक्षित करना और चीन पर निर्भरता कम करना।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- भागीदार देश: भारत और म्यांमार।

भारत में विरोध करने का अधिकार: संविधान क्या अनुमति देता है और क्या प्रतिबंधित करता है



यह खबरों में क्यों है?

- दिल्ली पुलिस द्वारा जनसभाओं और प्रदर्शनों पर लगाए गए नए प्रतिबंधों के खिलाफ 100 से अधिक नागरिक समाज संगठनों ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने तर्क दिया कि ये प्रतिबंध नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध करने और अपने विचार व्यक्त करने के संवैधानिक अधिकार को सीमित करते हैं।

पृष्ठभूमि और महत्व

- जंतर-मंतर लंबे समय से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों और सार्वजनिक प्रदर्शनों के लिए दिल्ली के निर्दिष्ट स्थानों में से एक रहा है।
- हाल ही में, दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शनों को विनियमित करने के लिए नए नियम पेश किए।
- नागरिक समाज संगठनों का दावा है कि इन नियमों से नागरिकों के लिए विरोध प्रदर्शन आयोजित करना मुश्किल हो जाता है और इसलिए लोकतांत्रिक भागीदारी कमजोर हो जाती है।
- उन्होंने सरकार से इन प्रतिबंधों को वापस लेने या समीक्षा करने की मांग की है।

मुख्य बिंदु

- स्थान: जंतर मंतर, नई दिल्ली।
- प्रतिभागी: 100 से अधिक नागरिक समाज संगठन।
- विरोध का कारण: जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करने वाले नई दिल्ली पुलिस के नियमों का विरोध।
- मुख्य मांगें:
- सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों पर नए प्रतिबंध वापस ले लें।
- शांतिपूर्ण सभा के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करें।
- सुनिश्चित करें कि नागरिक लोकतंत्र में स्वतंत्र रूप से असहमति व्यक्त कर सकें।
- प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक समाज का एक अनिवार्य हिस्सा है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन के बारे में चिंता व्यक्त करता है।
- संविधान के तहत बोलने की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार के महत्व पर प्रकाश डालता है।
- यह मुद्दा राजनीति, शासन और संवैधानिक अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण है, जो इसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रासंगिक बनाता है।

संवैधानिक प्रावधान

• आर्टिकल	प्रावधान
• अनुच्छेद 19(1)(a)	भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
• अनुच्छेद 19(1)(b)	शांति से और बिना हथियारों के इकट्ठा होने का अधिकार
• अनुच्छेद 19(1)(c)	संघ या संघ बनाने का अधिकार

- अनुच्छेद 19(2)-19(6) राज्य को संप्रभुता, सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता आदि के हित में उचित प्रतिबंध लगाने की अनुमति दें।

नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के बारे में

- स्वैच्छिक, गैर-सरकारी संगठन जो लोक कल्याण के लिए काम करते हैं और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं।
- वे जागरूकता को बढ़ावा देते हैं, नीतिगत बदलाव की वकालत करते हैं और सरकारों को जवाबदेह ठहराते हैं।
- उदाहरणों में गैर सरकारी संगठन, मानवाधिकार समूह, पेशेवर संघ और सामुदायिक संगठन शामिल हैं।

आगे की राह

- सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखते हुए नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जाए।
- यह सुनिश्चित करने के लिए विरोध नियमों की समीक्षा करें कि वे उचित और आनुपातिक हैं।

- चिंताओं को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने के लिए सरकार और नागरिक समाज के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- समाचार में स्थान: जंतर-मंतर, नई दिल्ली।
- मुद्दा: दिल्ली पुलिस द्वारा सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं।
- प्रमुख संवैधानिक अधिकार: अनुच्छेद 19(1)(a), 19(1)(b), और 19(1)(c)।
- महत्वपूर्ण अवधारणा: मौलिक अधिकार अनुच्छेद 19(2)-19(6) के तहत उचित प्रतिबंधों के अधीन हैं।
- सीएसओ की भूमिका: लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना और नागरिकों की चिंताओं का प्रतिनिधित्व करना।

अमेरिका और सऊदी अरब ने असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए



यह खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सऊदी अरब के शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए एक असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य सऊदी अरब को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने में मदद करना है, जबकि यह सुनिश्चित करना है कि परमाणु प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

पृष्ठभूमि और महत्व

- सऊदी अरब तेल पर निर्भरता कम करने और बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने विजन 2030 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में परमाणु ऊर्जा विकसित करने की मांग कर रहा है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका कई वर्षों से सऊदी अरब के साथ परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहा है।

- यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में रणनीतिक प्रभाव को लेकर प्रमुख शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा है।
- असैन्य परमाणु सहयोग सऊदी अरब को स्वच्छ बिजली उत्पन्न करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए औद्योगिक विकास का समर्थन करने में मदद कर सकता है।

मुख्य बिंदु

- भागीदार देश: संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब।
- समझौते का प्रकार: नागरिक परमाणु सहयोग समझौता।
- उद्देश्य: सऊदी अरब के शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का विकास करना।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- परमाणु प्रौद्योगिकी और तकनीकी विशेषज्ञता।
- क्षमता निर्माण और कार्यबल प्रशिक्षण।
- परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा।
- असैन्य परमाणु बुनियादी ढांचे का विकास।
- दोनों देशों ने इस बात की पुष्टि की कि सहयोग शांतिपूर्ण नागरिक उद्देश्यों के लिए और अंतरराष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा मानकों के अनुरूप होगा।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- अमेरिका-सऊदी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है।
- सऊदी अरब की विजन 2030 आर्थिक विविधीकरण योजना का समर्थन करता है।
- परमाणु ऊर्जा के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती भागीदारी के बीच मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव को मजबूत करता है।
- ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में असैन्य परमाणु ऊर्जा के बढ़ते वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला गया।

असैन्य परमाणु सहयोग समझौते के बारे में

- एक असैन्य परमाणु सहयोग समझौता परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग करने के लिए दो या दो से अधिक देशों के बीच एक समझौता है।

इसमें आम तौर पर शामिल हैं:

- परमाणु प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान।
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का विकास।
- वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का प्रशिक्षण।
- परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा उपाय।
- परमाणु ईंधन, उपकरण और संबंधित प्रौद्योगिकी की आपूर्ति (अंतरराष्ट्रीय नियमों के अधीन)।

सऊदी विजन 2030 के बारे में

- शुरू की: 2016
- द्वारा लॉन्च किया गया: क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS)
- उद्देश्य: सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना और तेल पर निर्भरता कम करना।

प्रमुख फोकस क्षेत्र:

- नवीकरणीय और परमाणु ऊर्जा।
- औद्योगिक विकास।

- पर्यटन और बुनियादी ढांचा।
- विदेशी निवेश।
- प्रौद्योगिकी और नवाचारा।

आगे की राह

- यह सुनिश्चित करना कि परमाणु सहयोग अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षा उपायों और अप्रसार मानदंडों का पूरी तरह से अनुपालन करता है।
- अंतराष्ट्रीय विश्वास बनाने के लिए परमाणु गतिविधियों में पारदर्शिता को बढ़ावा देना।
- परमाणु सुरक्षा और संरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार करना।

सऊदी अरब

- राजधानी: रियाद
- मुद्रा: सऊदी रियाल
- राजा: सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद
- महाद्वीप: एशिया

परीक्षा फोकस पॉइंट

- भागीदार देश: संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब।
- समझौता: असैन्य परमाणु सहयोग समझौता।
- उद्देश्य: परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग।
- संबंधित कार्यक्रम: सऊदी विजन 2030।
- अंतराष्ट्रीय संगठन: अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)।
- मुख्य उद्देश्य: ऊर्जा विविधीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और तेल पर निर्भरता कम करना।

केंद्र ने अनुराग जैन को नीति आयोग के सीईओ के रूप में नियुक्त किया

यह खबरों में क्यों है?

- केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन को दो साल की अवधि के लिए नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है।

पृष्ठभूमि और महत्व

- इस नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दी थी।
- अनुराग जैन नीति कार्यान्वयन और विकास पहलों के समन्वय के लिए जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण नेतृत्व की भूमिका में सफल होते हैं।
- मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में उनके कार्यकाल को 31 अगस्त 2026 तक बढ़ाने के बाद यह नियुक्ति हुई है।

- इससे पहले अप्रैल 2026 में, अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी को सुमन के. बेरी की जगह नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था।



मुख्य बिंदु

- नियुक्त: अनुराग जैन
- सेवा: 1989 बैच के आईएएस अधिकारी (मध्य प्रदेश कैडर)
- पद: मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), नीति आयोग
- कार्यकाल: दो वर्ष या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो।

व्यावसायिक पृष्ठभूमि

- मध्य प्रदेश के 35वें मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया।
- तीन दशकों से अधिक का प्रशासनिक अनुभव है।
- केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार दोनों में प्रमुख नीति और शासन क्षेत्रों में काम किया।

रोल ऐज़ सीईओ, नीति आयोग

- केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और हितधारकों के साथ समन्वय करें।
- सरकार के विकास एजेंडे के कार्यान्वयन का समर्थन करना।
- नीति निर्माण, निगरानी और सहकारी संघवाद पहल में सहायता करना।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- भारत के प्रमुख सार्वजनिक नीति थिंक टैंक के नेतृत्व को मजबूत करता है।
- विकास कार्यक्रमों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाना।
- राष्ट्रीय नीति निर्माण में व्यापक प्रशासनिक और शासन का अनुभव लाता है।
- प्रमुख सरकारी सुधारों और दीर्घकालिक विकास रणनीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करता है।

अबाउट नीति आयोग

- फुल फॉर्म: नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया।

- स्थापना: 1 जनवरी 2015।
- प्रतिस्थापित: योजना आयोग।
- अध्यक्ष: भारत के प्रधान मंत्री।
- उपाध्यक्ष: अशोक कुमार लाहिड़ी।
- सीईओ: अनुराग जैन।
- उद्देश्य: सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा देना और भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए रणनीतिक नीति सलाह प्रदान करना।

आगे की राह

- अधिक से अधिक केंद्र-राज्य समन्वय के माध्यम से साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को मजबूत करना।
- राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के कार्यान्वयन में तेजी लाना।
- नवाचार, सतत विकास और परिणाम-आधारित शासन को बढ़ावा देना।
- उद्योग, शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाएँ।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- नियुक्ति प्राधिकारी: कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी)।
- कैडर: मध्य प्रदेश।
- आईएएस बैच: 1989.
- पिछला पद: मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश।
- नीति आयोग का मुख्यालय: नई दिल्ली।
- नीति आयोग के अध्यक्ष: भारत के प्रधान मंत्री।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- नियुक्त: अनुराग जैन।
- पद: सीईओ, नीति आयोग
- कैडर: मध्य प्रदेश (1989 आईएएस बैच)।
- कार्यकाल: दो साल।
- उद्देश्य: नीति आयोग के प्रशासनिक कार्यों का नेतृत्व करना और राष्ट्रीय विकास नीतियों का समन्वय करना।
- वाइस चेयरपर्सन ऑफ नीति आयोग: अशोक कुमार लाहिड़ी
- प्रतिस्थापित संस्थान: योजना आयोग।

सीएसआईआर-आईआईसीटी और इसरो के वीएसएससी ने स्वदेशी पर्यावरण के अनुकूल ब्लोइंग एजेंट प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



यह खबरों में क्यों है?

- CSIR-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (CSIR-IICT) और ISRO के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC) ने रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी अगली पीढ़ी की पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ ब्लोइंग एजेंट तकनीक को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

पृष्ठभूमि और महत्व

- इस सहयोग का उद्देश्य आयातित विशेष फ्लोरोकेमिकल्स पर भारत की निर्भरता को कम करके आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है।
- यह तकनीक एयरोस्पेस, रक्षा और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले हल्के पॉलिमर फोम के विकास का समर्थन करेगी।
- यह परियोजना हाइड्रोफ्लोरोलेफिन (एचएफओ) विकसित करने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक उड़ाने वाले एजेंटों के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हैं।
- यह उन्नत सामग्री प्रौद्योगिकियों के लिए भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और अंतरिक्ष क्षेत्र के बीच सहयोग को मजबूत करता है।

वस्तुनिष्ठ:

- रणनीतिक और उच्च प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी अगली पीढ़ी के पर्यावरण के अनुकूल ब्लोइंग एजेंट विकसित करना।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

- हाइड्रोफ्लोरोलेफिन (एचएफओ) आधारित उड़ाने वाले एजेंटों का विकास।
- फ्लोरोकेमिकल संश्लेषण और प्रक्रिया विकास।
- प्रौद्योगिकी स्केल-अप और सत्यापन।
- एयरोस्पेस और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए तकनीकी मूल्यांकन।

प्रौद्योगिकी हाइलाइट्स

हाइड्रोफ्लोरोलेफिन (एचएफओ) में है:

- शून्य ओजोन रिक्तीकरण क्षमता (ओडीपी)।
- अल्ट्रा-लो ग्लोबल वार्मिंग क्षमता (GWP)।
- एचएफओ पारंपरिक उच्च-जीडब्ल्यूपी उड़ाने वाले एजेंटों के लिए स्थायी प्रतिस्थापन के रूप में उभर रहे हैं।

संस्थागत विशेषज्ञता

सीएसआईआर-आईआईसीटी निम्नलिखित में विशेषज्ञता का योगदान देगा:

- फ्लोरोकेमिकल संश्लेषण।
- प्रक्रिया स्केल-अप।
- निर्जल हाइड्रोजन फ्लोराइड (एचएफ) का सुरक्षित संचालन।

वीएसएससी प्रदान करेगा:

- अनुप्रयोग-विशिष्ट तकनीकी आवश्यकताएं।
- रणनीतिक उपयोग के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन और सत्यापन।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- उन्नत फ्लोरोकेमिकल प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है।
- आयातित विशेष रसायनों पर निर्भरता कम करता है।
- पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ औद्योगिक प्रथाओं का समर्थन करता है।
- भारत की एयरोस्पेस, रक्षा और रणनीतिक विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करता है।
- कम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाने को प्रोत्साहित करता है।

ब्लोइंग एजेंटों के बारे में

- ब्लोइंग एजेंट एक पदार्थ है जिसका उपयोग पॉलिमर के भीतर गैस के बुलबुले बनाने के लिए किया जाता है, जो हल्के फोम सामग्री का उत्पादन करता है।

इसका उपयोग आमतौर पर किया जाता है:

- थर्मल इन्सुलेशन सामग्री।
- एयरोस्पेस और रक्षा घटक।
- पैकेजिंग सामग्री।
- प्रशीतन और निर्माण उद्योग।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के बारे में

● पूरा नाम: सीएसआईआर-इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ केमिकल टेक्नोलॉजी।
● स्थान: हैदराबाद, तेलंगाना।
● मूल संगठन: वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)।
● फोकस: रासायनिक विज्ञान, प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां, फार्मास्यूटिकल्स, कटैलिसिस और फ्लोरोकेमिकल्स।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) के बारे में

- प्रक्षेपण वाहनों और रॉकेट प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास के लिए इसरो का एक प्रमुख केंद्र।
- स्थान: तिरुवनंतपुरम, केरला।
- इसका नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है।

आगे की राह

● उन्नत फ्लोरोकेमिकल्स के स्वदेशी विकास में तेजी लाना।
● रणनीतिक और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए एचएफओ प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण करें।
● अनुसंधान संस्थानों और अंतरिक्ष क्षेत्र के बीच सहयोग को मजबूत करना।
● वैश्विक पर्यावरण मानकों के अनुरूप टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

● समझौता ज्ञापन भागीदार: सीएसआईआर-आईआईसीटी और इसरो का वीएसएससी।
● प्रौद्योगिकी फोकस: हाइड्रोफ्लोरोलेफिन (एचएफओ)।
● प्रमुख रसायन: निर्जल हाइड्रोजन फ्लोराइड (एचएफओ)।
● एचएफओ का ओडीपी: शून्य।
● ग्लोबल वार्मिंग क्षमता (GWP): अल्ट्रा-लो।
● आईआईसीटी का मूल संगठन: सीएसआईआर।
● वीएसएससी का मूल संगठन: इसरो।

परीक्षा फोकस पॉइंट

● भागीदार संगठन: सीएसआईआर-आईआईसीटी और इसरो का वीएसएससी।
● समझौता: समझौता ज्ञापन (एमओयू)।
● उद्देश्य: एचएफओ का उपयोग करके स्वदेशी पर्यावरण के अनुकूल ब्लोइंग एजेंट तकनीक विकसित करना।
● मुख्य उद्देश्य: आयात निर्भरता को कम करना और भारत की उन्नत फ्लोरोकेमिकल क्षमताओं को मजबूत करना।
● प्रयुक्त तकनीक: हाइड्रोफ्लोरोलेफिन (एचएफओ)।
● पर्यावरणीय लाभ: शून्य ओडीपी और अल्ट्रा-लो जीडब्ल्यूपी।

पाणिनियन भारत ने भारत के पहले निजी तौर पर विकसित टर्बोफैन इंजन कार्यक्रम 'यंतूर 4.5 केएन' का अनावरण किया



यह खबरों में क्यों है?

- हैदराबाद स्थित स्टार्टअप पाणिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 'यंतूर 4.5 केएन टर्बोफैन इंजन प्रोग्राम' का अनावरण किया है।

पृष्ठभूमि और महत्व

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य कॉम्पैक्ट टर्बोफैन प्रणोदन प्रौद्योगिकी में स्वदेशी निजी क्षेत्र की क्षमता स्थापित करना है।
- यह विदेशी प्रणोदन प्रणालियों पर निर्भरता को कम करके आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करता है।
- इस इंजन को रक्षा मंत्रालय के मेक-1 कार्यक्रम के लिए डिजाइन किए गए लंबी दूरी के स्वायत्त क्रूज मिसाइल प्लेटफॉर्म स्वायत्त एल1 के लिए विकसित किया जा रहा है।
- कॉम्पैक्ट टर्बोफैन इंजन उन्नत स्वायत्त मिसाइलों और मानव रहित लड़ाकू विमानों के लिए सबसे रणनीतिक तकनीकों में से एक हैं।

मुख्य बिंदु

● कार्यक्रम का नाम: यंतूर 4.5 केएन टर्बोफैन इंजन प्रोग्राम।
● डेवलपर: पाणिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद।
● दावा: भारत का पहला निजी तौर पर विकसित टर्बोफैन इंजन 4.5 kN वर्ग में।

वस्तुनिष्ठ

- रणनीतिक स्वायत्त एयरोस्पेस प्लेटफार्मों के लिए एक स्वदेशी कॉम्पैक्ट टर्बोफैन इंजन विकसित करना।
- उन्नत प्रणोदन प्रौद्योगिकियों में भारत की संप्रभु क्षमता को मजबूत करना।

अनुप्रयोगों

- Svayatt L1 को शक्ति प्रदान करने के लिए, एक लंबी दूरी की स्वायत्त क्रूज मिसाइल प्लेटफॉर्म।
- लंबी दूरी की भूमि हमले क्रूज मिसाइल (LRLACM) के लिए रक्षा मंत्रालय के मेक-I कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- Svayatt CCAV (कोलैबोरेटिव कॉम्बैट एरियल व्हीकल) प्लेटफॉर्म के लिए इंजन कोर को 12.5 kN तक बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान स्थिति

- वैचारिक और विस्तृत डिज़ाइन चरण पूरे कर लिए गए हैं।
- कार्यक्रम इस दिशा में प्रगति कर रहा है:
- सबसिस्टम परीक्षण।
- सत्यापन।
- पूर्ण इंजन प्रमाणन।

प्रमुख नवाचार

पांच पेटेंट दावों को कवर करना:

- इंजन परिवार वास्तुकला।
- दहन और विसारक-नोजल डिज़ाइन।
- कंप्रेसर तकनीक।
- डिजिटल ट्विन-आधारित स्वास्थ्य निगरानी।
- उन्नत विनिर्माण तकनीकें।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- यह भारत के निजी एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख मील का पत्थर है।
- आयातित विमान और मिसाइल प्रणोदन प्रणालियों पर निर्भरता कम करता है।
- लंबी दूरी के स्वायत्त रक्षा प्लेटफार्मों के स्वदेशी विकास का समर्थन करता है।

- उन्नत एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों और रणनीतिक रक्षा विनिर्माण में भारत की क्षमताओं को बढ़ाता है।
- स्टार्टअप, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है।

टर्बोफैन इंजन के बारे में

- टर्बोफैन इंजन एक प्रकार का जेट इंजन है जिसमें सामने का एक बड़ा पंखा अतिरिक्त जोर उत्पन्न करता है, जिससे यह टर्बोजेट की तुलना में अधिक कुशल हो जाता है।

इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है:

- सैन्य विमान।
- क्रूज मिसाइलों।
- मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी)।
- वाणिज्यिक विमान।
- लाभ
- उच्च ईंधन दक्षता।
- अधिक जोरा
- कम शोर।
- लंबी दूरी पर बेहतर प्रदर्शन।

मेक-आई कार्यक्रम के बारे में

- रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) के तहत एक श्रेणी।
- उन्नत रक्षा उपकरणों के सरकार द्वारा वित्त पोषित विकास का समर्थन करता है।
- इसका उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी डिज़ाइन, विकास और विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- स्टार्टअप: पाणिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।
- मुख्यालय: हैदराबाद, तेलंगाना।
- इंजन का नाम: यंतूर 4.5 केएन।
- मिसाइल प्लेटफॉर्म: Svayatt L1.
- भविष्य का मंच: Svayatt CCAV।
- रक्षा मंत्रालय कार्यक्रम: मेक-I.
- लक्ष्य मिसाइल: लंबी दूरी की भूमि पर हमला करने वाली क्रूज मिसाइल (LRLACM)।
- संभावित इंजन अपग्रेड: 12.5 kN थ्रस्ट तक।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- कंपनी: पाणिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।
 - कार्यक्रम: यंटूर 4.5 केएन टर्बोफैन इंजन प्रोग्राम।
 - उद्देश्य: स्वायत्त रणनीतिक प्लेटफार्मों के लिए भारत का पहला निजी तौर पर निर्मित कॉम्पैक्ट टर्बोफैन इंजन विकसित करना।

- मुख्य उद्देश्य: एयरोस्पेस प्रणोदन प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना।
 - संबंधित रक्षा कार्यक्रम: मेक-1 (रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया)।
 - प्लेटफार्म संचालित: Svyatt L11
 - भविष्य का विस्तार: 12.5 kN इंजन के साथ Svyatt CCAVI

भारतीय ग्रैंडमास्टर रोहित कृष्णा ने मेन्यूर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप 2026 जीती



यह खबरों में क्यों है?

- भारतीय ग्रैंडमास्टर रोहित कृष्णा ने फ्रांस में आयोजित मेन्यूर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप जीती, जिसमें उन्होंने हमवतन राजा ऋत्विक् को टाई-ब्रेक पर हराया, दोनों समान अंकों के साथ नाबाद रहे।

- 5 जीता।
 - 4 ड्रॉ।
 - फाइनल राउंड में फ्रेंच ग्रैंडमास्टर मैक्सिम लेगार्ड (2622) को काले मोहरों से हराया।
 - चौथी वरीयता के रूप में प्रतिस्पर्धा की।

प्रशिक्षण एवं कोचिंग

- केएल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल कर रहे हैं।
 - एन. रामा राजू के मार्गदर्शन में रेस शतरंज अकादमी में ट्रेना
 - यूक्रेनी सुपर जीएम अलेक्जेंडर गोलोशचापोव से ऑनलाइन कोचिंग भी प्राप्त करते हैं।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

पृष्ठभूमि और महत्व

- चैंपियनशिप में फ्रांस, भारत, चीन, जर्मनी, पोलैंड, नीदरलैंड और इटली सहित कई देशों के 86 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

मुख्य बिंदु

- आयोजन: मेन्यूर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप 2026।
 - स्थान: फ्रांस।
 - चैंपियन: रोहित कृष्णा (भारत)।

अंतिम स्टैंडिंग

- स्वर्ण पदक: रोहित कृष्णा (भारत) - 7/9 अंक (टाई-ब्रेक: 43)।
 - रजत पदक: राजा ऋत्विक् (भारत) – 7/9 अंक (टाई-ब्रेक: 41.5)।
 - कांस्य पदक: जीएम ओमेलजा आर्टेम (फ्रांस) - 6.5 अंक।
 - राजा ऋत्विक् का प्रदर्शन

के साथ नाबाद समाप्त:

- वैश्विक शतरंज महाशक्ति के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करता है।
 - अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय ग्रैंडमास्टरों के लगातार उदय पर प्रकाश डाला।
 - युवा भारतीय खिलाड़ियों को विश्व मंच पर सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
 - प्रतिस्पर्धी शतरंज प्रतिभा में भारत की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।
 - Menuires अंतराष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप के बारे में
 - फ्रांस के लेस मेनुएर्स में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला एक अंतरराष्ट्रीय खुला शतरंज टूर्नामेंट।
 - कई देशों के ग्रैंडमास्टरों और मजबूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आकर्षित करता है।
 - FIDE (अंतराष्ट्रीय शतरंज महासंघ) नियमों के तहत आयोजित किया जाता है।

FIDE के बारे में

- पूरा नाम: अंतराष्ट्रीय शतरंज महासंघ।
 - स्थापित: 1924.

- मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड। - उद्देश्य: अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं को नियंत्रित करता है और आधिकारिक शतरंज खिताब और रेटिंग प्रदान करता है।

आगे की राह

- अंतरराष्ट्रीय अनुभव के माध्यम से युवा भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का समर्थन करना जारी रखें।
- जमीनी स्तर पर शतरंज के बुनियादी ढांचे और कोचिंग कार्यक्रमों को मजबूत करना।
- अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए वैश्विक टूर्नामेंटों में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- चैंपियन: रोहित कृष्णा (भारत)। - उपविजेता: राजा ऋत्विक् (भारत)। - तीसरा स्थान: जीएम ओमेल्ला आर्टेम (फ्रांस)। - स्थान: फ्रांस।

- जीत का स्कोर: 9 राउंड से 7 अंक। - टाई-ब्रेक स्कोर: रोहित कृष्णा – 43; राजा ऋत्विक् – 41.5. - अंतिम दौर की हाइलाइट: राजा ऋत्विक् ने जीएम मैक्सिम लेगार्ड (फ्रांस) को हराया।
--

परीक्षा फोकस पॉइंट

- टूर्नामेंट: मेन्यूयर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप 2026। - चैंपियन: रोहित कृष्णा। - उपविजेता: राजा ऋत्विक्। - स्थान: फ्रांस। - उद्देश्य: FIDE नियमों के तहत अंतराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता। - रोहित कृष्णा ने टाई-ब्रेक पर खिताब जीता क्योंकि दोनों भारतीय खिलाड़ी नाबाद रहे।

कलाई तमिलनाडु का पहला जलवायु-अनुकूल गांव बना



यह खबरों में क्यों है?

- तमिलनाडु के कुड्डलोर जिले का कलाई गांव, राज्य का पहला जलवायु-अनुकूल गांव बन गया है।

पृष्ठभूमि और महत्व

- किलाई पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण पिचावरम मैंग्रोव वन के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे बड़े मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्रों में से एक है।
- गांव ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए समुदाय-आधारित जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाया है।
- यह कमजोर तटीय समुदायों को चक्रवात, बाढ़, समुद्र के स्तर में वृद्धि और तटीय कटाव से बचाने के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करता है।

- यह पहल दर्शाती है कि कैसे पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी आजीविका में सुधार करते हुए जलवायु लचीलापन बढ़ा सकती है।

वस्तुनिष्ठ

- सतत विकास और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जलवायु संबंधी आपदाओं के खिलाफ लचीलापन बनाएं।

प्रमुख जलवायु अनुकूलन उपाय:

- मैंग्रोव वनों का संरक्षण और बहाली।
- समुदाय के नेतृत्व वाली जलवायु योजना।
- आपदा की तैयारी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना।
- जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे का विकास।
- वर्षा जल संचयन और बेहतर जल संसाधन प्रबंधन।
- जलवायु-स्मार्ट कृषि और टिकाऊ मछली पकड़ने को बढ़ावा देना।
- स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका का विविधीकरण।

संबोधित की गई जलवायु चुनौतियाँ:

चक्रवात

- अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़
- तटीय कटाव
- समुद्र के स्तर में वृद्धि
- भूजल और कृषि भूमि में खारे पानी की घुसपैठ
- मछली पकड़ने और कृषक समुदायों के बीच आजीविका की असुरक्षा

प्रकृति-आधारित समाधान (NbS):

- मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण और बहाली
- आर्द्रभूमि और तटीय जैव विविधता का संरक्षण
- तूफान और कटाव के खिलाफ प्राकृतिक बाधाओं को बढ़ाना
- पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के माध्यम से बेहतर कार्बन पृथक्करण

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- तटीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए एक प्रभावी मॉडल प्रदर्शित करता है।
- सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से आपदा लचीलापन को मजबूत करता है।
- जैव विविधता और महत्वपूर्ण तटीय पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करता है।
- स्थायी आजीविका और जल सुरक्षा का समर्थन करता है।
- यह पूरे भारत में अन्य जलवायु-संवेदनशील तटीय गांवों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल प्रदान करता है।

जलवायु-लचीला गांव के बारे में

- जलवायु-लचीला गांव एक ऐसा समुदाय है जो सतत विकास सुनिश्चित करते हुए जलवायु संबंधी आपदाओं के लिए तैयार होने, अनुकूलन करने, उनसे उबरने और उनका सामना करने की क्षमता विकसित करता है।

प्रमुख विशेषताएँ

- सामुदायिक भागीदारी।
- आपदा की तैयारी।
- जलवायु-लचीला बुनियादी ढांचा।
- सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन।
- आजीविका विविधीकरण।

- पर्यावरण संरक्षण।

पिचावरम मैंग्रोव वन के बारे में

- तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में स्थित है।
- भारत के सबसे बड़े मैंग्रोव वनों में से एक।
- वेल्लर और कोलेरून (कोलिडेम) नदियों के बीच स्थित है।
- चक्रवात, तूफान की लहरों और तटीय कटाव के खिलाफ एक प्राकृतिक बाधा के रूप में कार्य करता है।
- समृद्ध जैव विविधता का समर्थन करता है और एक महत्वपूर्ण कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- तमिलनाडु का पहला जलवायु-लचीला गांव: कलाई
- जिला: कुड्डालोर
- राज्य: तमिलनाडु
- आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र: पिचावरम मैंग्रोव वन
- दृष्टिकोण: समुदाय-आधारित जलवायु अनुकूलन
- मुख्य फोकस: जलवायु अनुकूलन, आपदा लचीलापन और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण
- प्रकृति-आधारित समाधान: मैंग्रोव संरक्षण और बहाली

परीक्षा फोकस पॉइंट

- गांव: कलाई
- राज्य: तमिलनाडु।
- जिला: कुड्डालोर।
- उद्देश्य: समुदाय-आधारित अनुकूलन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के खिलाफ लचीलापन बनाना।
- मुख्य उद्देश्य: तटीय समुदायों को चक्रवात, बाढ़, समुद्र के स्तर में वृद्धि और तटीय कटाव से बचाना।
- महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र: पिचावरम मैंग्रोव वन।
- मुख्य रणनीति: प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस)।

लेट्स रिवाइज

- ❖ आईएनएस मालवण, जिसे हाल ही में भारतीय नौसेना द्वारा कमीशन किया गया है, युद्धपोतों के किस श्रेणी से संबंधित है? **माहे-क्लास एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (ASW-SWC)।**
- ❖ आईएनएस मालवण का निर्माण किस शिपयार्ड द्वारा किया गया है? **कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि।**
- ❖ माहे-श्रेणी के ASW शैलो वाटर क्राफ्ट को किस श्रेणी के जहाजों को बदलने के लिए शामिल किया जा रहा है? **अभय-श्रेणी के कार्वेट।**
- ❖ राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीए) किस देश से जुड़ा हुआ है? **संयुक्त राज्य अमेरिका।**
- ❖ किस विधायी निकाय ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीए) 2026 पारित किया? **अमेरिकी प्रतिनिधि सभा।**
- ❖ एनडीए 2026 **1.15 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के रक्षा खर्च को अधिकृत करता है।**
- ❖ एनडीए मुख्य रूप से किस विभाग के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है? **अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी)।**
- ❖ वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण उद्योग में कौन सा देश हावी है? **चीन।**
- ❖ म्यांमार का कौन सा राज्य भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (एचआरईई) के बड़े भंडार के लिए जाना जाता है? **काचिन राज्य।**
- ❖ दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई) में कितने धातु तत्व शामिल हैं? **17.**
- ❖ कौन सी सरकार की पहल महत्वपूर्ण खनिजों में भारत की आत्मनिर्भरता का समर्थन करती है? **राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन।**
- ❖ कौन से चार भारतीय राज्य म्यांमार के साथ सीमा साझा करते हैं? **अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम।**
- ❖ म्यांमार को किस क्षेत्र में भारत का प्रवेश द्वार माना जाता है? **दक्षिण पूर्व एशिया (आसियान)।**
- ❖ संविधान का कौन सा अनुच्छेद भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है? **भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(a)।**
- ❖ कौन सा अनुच्छेद शांतिपूर्ण और बिना हथियारों के इकट्ठा होने के अधिकार की गारंटी देता है? **भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(b)।**
- ❖ कौन सा अनुच्छेद संघ या संघ बनाने के अधिकार की गारंटी देता है? **भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(c)।**
- ❖ किन अनुच्छेदों के तहत राज्य अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकता है? **भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(2) से 19(6) तक।**
- ❖ परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और परमाणु सुरक्षा उपायों की निगरानी के लिए कौन सा अंतर्राष्ट्रीय संगठन जिम्मेदार है? **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)।**
- ❖ हाल ही में हस्ताक्षरित असैन्य परमाणु सहयोग समझौता किन दो देशों के बीच है? **संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब।**
- ❖ नीति आयोग के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **अनुराग जैन।**
- ❖ किन दो संगठनों ने रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ ब्लोइंग एजेंट तकनीक विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? **CSIR-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CSIR-IIT) और ISRO का विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)।**
- ❖ किस हैदराबाद स्थित स्टार्टअप ने 'यंतूर 4.5 केएन एटर्बोफैन इंजन प्रोग्राम' का अनावरण किया? **पाणिनियन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।**
- ❖ फ्रांस में आयोजित मेन्यूयर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप 2026 किसने जीती? **भारतीय ग्रैंडमास्टर रोहित कृष्णा।**
- ❖ किस गांव को तमिलनाडु के पहले जलवायु-लचीला गांव के रूप में मान्यता दी गई है? **किलाई (कुड्डालोर जिला, तमिलनाडु)।**



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA